मानसिक स्थिति मजबूत करने के लिए अध्यात्मिकता जरूरी

माउंट आबू, 9 अगस्त। मध्यप्रदेश पर्यटन विकास विभाग अध्यक्ष ध्रुव नारायणसिंह ने कहा कि वर्तमान भागती दौड़ती जिदंगी में आंतरिक शक्तियों को विकसित करने से ही संत्रस्त मन को शांत किया जा सकता है। वे प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के ज्ञान सरोवर परिसर में वायु एवं जलीय परिवहन प्रभाग द्वारा आयोजित अखिल भारतीय सेमीनार में उपस्थित सहभागियों को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि वर्तमान प्रतिस्पर्धात्मक दौर में बढ़ती चुनौतियों का सामना करने को आध्यात्मिकता का अनुसरण कर मानसिक स्थिति को मजबूत बनाने में कोई कोताही नहीं बरतनी चाहिए। कठिन प्रतिस्पर्धाओं के चलते अपने अधिकारों के साथ कर्तव्यों के प्रति सावेचत रहना चाहिए। आत्मोन्नति होने से जीवन में आने वाली बाधाओं में भी सफलता के रास्ते तलाशे जा सकते हैं।

सहारा समूह के अध्यक्ष आलोक शर्मा ने कहा कि अपने कर्तव्यों के प्रति सदैव सकारात्मक रूख होना चाहिए। राजयोग अभ्यास से आंतरिक शक्तियां विकसित होती हैं। जीवन के किसी भी क्षेत्र में सफलता अर्जित करने को दृढ़तापूर्वक संघर्ष करने की शक्ति के साथ समर्पित भाव जरूरी है।

ब्रह्माकुमारी संगठन की संयुक्त मुख्य प्रशासिका, युवा प्रभाग अध्यक्ष राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ने कहा कि आध्यात्मिकता परमात्म चेतना को अनुभव करने का एक सशक्त माध्यम है। कर्मक्षेत्र में मानसिक संतुलन बनाए रखने को सहज राजयोग का अभ्यास करना समय की मांग है।

बड़ौदा एयरपोर्ट निदेशक आर.एस.डी क्रूज ने कहा कि आध्यात्मिक द्वारा मन की सुषुप्त शक्तियों को जागृत करने से ही तन, धन और बौद्विक शक्ति कार्यक्षेत्र में यथार्थ रूप से नियंत्रण में रह सकती है।

नाबार्ड मुंबई जनरल मैनेजर पी.सी. मिश्रा ने कहा है कि राजयोग के जरिए ही कार्य में कुशलता और जीवन जीने की कला में निखार आता है। सकारात्मक दृष्टिकोण, निःस्वार्थ सेवा भाव व्यक्ति को सर्व की दुआओं का पात्र बना देता है।

एयर इंडिया मुंबई सहायक प्रबंधक निधि वर्मा ने कहा है कि परिवार व व्यवसायिक क्षेत्र में आपसी सामजस्य बनाए जाने को सर्व के प्रति श्रेष्ठ चिंतन करना चाहिए।

इस मौके पर प्रभाग के अध्यक्ष ओमप्रकाश गुलाटी, अशोक गाबा, राष्ट्रीय संयोजिका बी के मीरा बहन, जामनगर से आई राजयोग शिक्षिका बी के सुषमा बहन, राजयोग शिक्षिका बीके कमलेश, मुख्यालय संयोजक सुमन सहित विभिन्न वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए।